A–0302

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

DVK 102

DIPLOMA IN VEDIC KARMKAND (DVK)

कर्मकाण्ड का वैज्ञानिक स्वरूप नित्यकर्म व देवपूजन

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 100

नोट :- यह प्रश्न-पत्र सौ (100) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×26=52

नोट :- खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. पूजन के समय कलावा एवं टीका चन्दन क्यों लगाया जाता है? वैज्ञानिकता सिद्ध करें।
2. पुंसवन संस्कार का महत्व बतायें।
3. विवाह संस्कार का वैज्ञानिक आधार स्पष्ट करें।
4. उपनयन का अर्थ स्पष्ट करते हुए उपयोगिता सिद्ध करें।
5. गणपति एवं गौरी की के पूजन विधि का उल्लेख करते हुए प्रथम पूजन का आधार स्पष्ट करें।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×12=48

नोट :- खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. सत्यनारायण की कथा क्यों आवश्यक है ? स्पष्ट करें।
2. श्री गणेश की आरती की महिमा का उल्लेख करें।
3. सत्यनारायण व्रत की विधि का उल्लेख करें।
4. कलश स्थापन पूजन में क्यों किया जाता है? स्पष्ट करें।
5. षोडश मातृका के नामकरण का उल्लेख करते हुए पूजन विधि लिखें।
6. व्रत का अर्थ स्पष्ट करें। व्रत क्यों आवश्यक है ?
7. पंचदेव कौन–कौन है ? पूजन विधि लिखें।
8. महालक्ष्मी का पूजन क्यों आवश्यक है प्रकाश डालें।

****